।। माँ की वन्दना ।।

म्हाँरो कुन राखोगें ध्यान मैया स बढ़कर
म्हारों कुन राखोगें .....
मैंया से बढ़कर रे मैया स बढ़कर
मैंया नाम स चाल है गुजारों
मैंया है म्हार जीने को सहारों
रहनों है म्हानं तो चरणों में पड़के
म्हारो कुन राखोगें .....

जी चाहे सकराय धाम जाऊँ
भजन सुनाँऊ और थान म रिझाऊँ
होव घर छोटो सो मंदिर स अड़कर
म्हारो कुन राखोगें .....

सेवा सचिन यो खूब निभासी
नित थारों सिंगार सजासी
चूनड़ उड़ाऊँ हीरा-मोत्या जड़कर
म्हारो कुन राखोगें .....

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com